भगवान के सामने बुद्धिमान कैसे बनें

तो फिर बुद्धि कहाँ से आती है? और समझ का स्थान कहाँ है? और उस ने मनुष्य से कहा, देख, प्रभु का भय मानना ही बुद्धि है; और बुराई से दूर रहना ही समझ है। अय्यूब 28:20, 28

प्रभु का भय बुद्धि की शुरुआत है: जो लोग उसकी आज्ञाओं का पालन करते हैं उनमें अच्छी समझ होती है: उसकी स्तुति हमेशा के लिए बनी रहती है। भजन 111:10

तब मैं ने देखा, कि बुद्धि मूर्खता से बढ़कर है, जितना प्रकाश अन्धकार से बढ़कर है। सभोपदेशक 2:13

बुद्धि बुद्धिमानों को नगर के दस शूरवीरों से अधिक बलवन्त करती है। सभोपदेशक 7:19

यदि तुम में से किसी को बुद्धि की घटी हो, तो परमेश्वर से मांगे, जो बिना उलाहना दिए सब को उदारता से देता है; और यह उसे दिया जाएगा. परन्तु उसे विश्वास से माँगने दो, बिना किसी हिचकिचाहट के। क्योंकि जो डगमगाता है वह समुद्र की लहर के समान है जो हवा से बहती और उछलती है। क्योंकि वह मनुष्य यह न सोचे कि उसे प्रभु से कुछ मिलेगा। दोहरे दिमाग वाला व्यक्ति हर तरह से अस्थिर होता है। जेम्स 1:5-8

तुममें से कौन बुद्धिमान और ज्ञानी पुरुष है? वह अच्छी बातचीत के द्वारा अपने काम ज्ञान की नम्रता के साथ प्रगट करे। परन्तु जो ज्ञान ऊपर से आता है वह पहले शुद्ध होता है, फिर शांतिदायक, कोमल और व्यवहार में आसान होता है, दया और अच्छे फलों से भरा होता है, पक्षपात रहित और कपट रहित होता है। याकूब 3:13, 17

यहोवा का भय मानना ज्ञान का आरम्भ है; परन्तु मूर्ख बुद्धि और शिक्षा का तिरस्कार करते हैं। नीतिवचन 1:7

धन्य है वह मनुष्य जो बुद्धि प्राप्त करता है, और वह मनुष्य जो समझ प्राप्त करता है। नीतिवचन 3:13

हे मेरे पुत्र, यदि तू मेरे वचन ग्रहण करे, और मेरी आज्ञाओं को अपने मन में छिपा रखे; ताकि तू अपना कान बुद्धि की ओर लगाए, और अपना मन समझ की ओर लगाए; हां, यदि तू ज्ञान के लिये चिल्लाए, और समझ के लिये ऊंचे स्वर से चिल्लाए; यदि तू उसे चान्दी की नाईं ढूंढ़ता, और गुप्त धन की नाईं उसकी खोज करता हो; तब तू यहोवा का भय समझेगा, और परमेश्वर का ज्ञान पाएगा। क्योंकि यहोवा बुद्धि देता है, ज्ञान और समझ उसके मुंह से निकलती है। वह धर्मियों के लिये खरा ज्ञान इकट्ठा करता है; वह सीधाई से चलनेवालों के लिये ढाल ठहरता है। वह न्याय के मार्ग की रक्षा करता है, और अपने पवित्र लोगों के मार्ग की रक्षा करता है। तब तू धर्म और न्याय और सीधाई को समझेगा; हाँ, हर अच्छा रास्ता। नीतिवचन 2:1-9

बुद्धि प्राप्त करो, समझ प्राप्त करो: इसे मत भूलो; न मेरे मुँह से कोई बात निकलती है। उसे मत त्यागो, और वह तुम्हारी रक्षा करेगी; उस से प्रेम करो, और वह तुम्हारी रक्षा करेगी। बुद्धि प्रमुख चीज़ है; इसलिये बुद्धि प्राप्त करो, और अपनी सारी बुद्धि प्राप्त करो। उसे सराहो, और वह तुम्हें बढ़ावा देगी; जब तुम उसे गले लगाओगे, तो वह तुम्हें सम्मानित करेगी। वह तेरे सिर पर अनुग्रह का आभूषण, और महिमा का मुकुट तुझे देगी। नीतिवचन 4:5-9

यहोवा का भय मानना बुद्धि का आरम्भ है; और पवित्र का ज्ञान समझ है। नीतिवचन 9:10

मूर्ख के लिये अनर्थ करना खेल के समान है, परन्तु समझदार मनुष्य के पास बुद्धि होती है। धर्मी के मुंह से बुद्धि निकलती है, परन्तु टेढ़े लोगों की जीभ काट दी जाती है। नीतिवचन 10:23, 31

जब अभिमान आता है, तब लज्जा भी आती है; परन्तु कंगालोंमें बुद्धि रहती है। जो बुद्धि से रहित है, वह अपने पड़ोसी का तिरस्कार करता है; परन्तु समझदार मनुष्य चुप रहता है। नीतिवचन 11:2, 12

मनुष्य की प्रशंसा उसकी बुद्धि के अनुसार की जाती है, परन्तु टेढ़े मन का तुच्छ जाना जाता है। नीतिवचन 12:8

अभिमान से ही विवाद होता है, परन्तु अच्छी सलाह से बुद्धि मिलती है। नीतिवचन 13:10

बुद्धि से रहित मनुष्य को मूर्खता से आनन्द मिलता है, परन्तु समझदार मनुष्य सीधाई से चलता है। यहोवा का भय मानना बुद्धि की शिक्षा है; और सम्मान से पहले नम्रता है. नीतिवचन 15:21, 33

बुद्धि प्राप्त करना सोने से कितना उत्तम है! और चान्दी के बदले चुने जाने के लिथे समझ प्राप्त करो! नीतिवचन 16:16

जो बुद्धि प्राप्त करता है, वह अपने प्राण से प्रेम रखता है; जो समझ रखता है, वह कल्याण पाता है। नीतिवचन 19:8

सत्य खरीदो, बेचो मत; बुद्धि, और शिक्षा, और समझ भी।
नीतिवचन 23:23

जो बुद्धि से प्रीति रखता है, वह अपने पिता को आनन्दित करता है; परन्तु जो वेश्याओं की संगति करता है, वह अपनी सम्पत्ति उड़ा देता है। नीतिवचन 29:3

छड़ी और डाँट से बुद्धि मिलती है, परन्तु जो बच्चा अकेला छोड़ दिया जाता है, वह अपनी माता को लज्जित करता है। नीतिवचन 29:15